नवोन्मेष

रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004

प्रधान कार्यालय : के. 52, कृष्णगंज, **अजमेर-305001**

दूरभाष : अध्यक्ष : डॉ. ग्यारसीलाल जाट, सीकर (01572) 245866, मो. 9414038866

महामंत्री : डॉ. मधुर मोहन रंगा, अजमेर (0145) 2429341, मो. 9414008425

परिपत्र क्रमांक : रुक्टा (रा.)/2012-13/01 **दिनांक: 1 जुलाई, 2012**

(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया

सादर नमस्कार!

नया शिक्षा सत्र 2012-13 प्रारम्भ हो गया है। नये शिक्षा सत्र के लिए आप सभी के प्रति हार्दिक मंगलकामनाएं। नया शिक्षा सत्र विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य संबद्ध पक्षों के लिए नई उपलब्धियों से परिपूर्ण हो। गत परिपत्र के पश्चात् उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दयारामजी परमार से वार्ता का विवरण, पूर्व में अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों व शारीरिक शिक्षकों के सी.ए.एस. योजना में संशोधन के आदेश, प्रांतीय कार्यकारिणी, विभागीय समिति व प्रकोष्ठ संयोजकों की बैठक, शैक्षिक महासंघ के पंचम अधिवेशन की सूचना व अन्य विवरण के साथ यह परिपत्र आपको प्रेषित है -

1. **उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दयारामजी परमार से विभिन्न लम्बित समस्याओं पर वार्ता :-** 24 अप्रेल 2012 को संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दयारामजी परमार से शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की व संगठन का दृष्टिकोण रखा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुशंषाओं के आधार पर महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन किये जाने, नवीन यू.जी.सी. वेतनमान में शेष रही 40 प्रतिशत एॅरियर राशि का शीघ्र नगद भुगतान किये जाने, पूर्व व अन्यत्र की गई सेवा का लाभ देने तथा पात्र शिक्षकों के वरिष्ठ व चयनित वेतनमान की डी.पी.सी. शीघ्र करवाने की संगठन ने मांग की। महाविद्यालयों का निरीक्षण कनिष्ठ अधिकारियों से जिला प्रशासन द्वारा करवाये जाने का विरोध किया गया। संगठन ने मंत्री जी को बताया कि महाविद्यालयों में तहसीलदार, उपखण्ड अधिकारी व अन्य जिला परिषदों के अधिकारियों ने 28 मार्च 2012 को निरीक्षण किया। संगठन का स्पष्ट मत है कि प्राचार्य अपने आप में एक विभागाध्यक्ष होता है, ऐसी स्थिति में कनिष्ठ अधिकारियों द्वारा महाविद्यालयों का निरीक्षण करना उचित नहीं था, उन दिनों महाविद्यालयों में विभिन्न विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं तीनों पारियों में चल रही थी, शिक्षक निदेशालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्धारित मापदण्डों के आधार पर

महाविद्यालयों में उपस्थित होते हैं। संगठन निरीक्षण का विरोध नहीं करता है परन्तु यह मांग करता है कि सक्षम व वरिष्ठ अधिकारी ही महाविद्यालयों का निरीक्षण करें। संगठन ने महाविद्यालयों में रिक्त पड़े पदों पर पदस्थापन, महाविद्यालयों में उपाचार्य व प्राध्यापकों के पद विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर सृजित करने, महाविद्यालयों के आधारभूत ढांचे के विकास करने आदि विषयों पर चर्चा की। मंत्रीजी ने सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। शिष्ट मंडल में अध्यक्ष डॉ. ग्यारसीलाल जाट, महामंत्री डॉ. मधुरमोहन रंगा, सह संगठन मंत्री डॉ. नंदसिंह नरुका, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अखिलेश शर्मा व डॉ. संजीव त्यागी उपस्थित थे।

2. **डॉ. दयाराम जी परमार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना :-** उच्च शिक्षा मंत्री जी के वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से उन्हें गंभीर चोटें आई थी, इस कारण उन्हें जयपुर के एस.एम.एस. अस्पताल में भर्ती कराया गया। संगठन के शिष्टमंडल ने उनकी कुशलक्षेम पूछकर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

3. **शैक्षिक महासंघ द्वारा आयोजित मीडिया प्रकोष्ठ की कार्यशाला सम्पन्न :-** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा मीड़िया प्रकोष्ठ की दो दिवसीय कार्यशाला 5 व 6 मई को शिक्षक सदन, सूरजमल विहार, दिल्ली में सम्पन्न हुई। इसमें मीडिया क्षेत्र के विशेषज्ञों का मार्गदर्शन रहा। रुक्टा (रा.)के प्रचार संयोजक डॉ. योगेश गुप्ता व सदस्य डॉ. सुब्रत शर्मा ने इसमें भाग लिया।

4. **महाराणा प्रताप जयंती पर शैक्षिक संगोष्ठी सम्पन्न :-** राजकीय महाविद्यालय, अजमेर की रुक्टा (रा) इकाई द्वारा 24 मई को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रात: काल संगठन के सदस्यों ने राजकीय महाविद्यालय परिसर में स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। संगोष्ठी में महामंत्री डॉ. मधुरमोहन रंगा ने कहा कि देश पर कई आक्रांताओं ने हमले किये और हमारी संस्कृति एवं स्वतंत्रता को छिन्न भिन्न करने का प्रयास किया। किन्तु प्रताप ऐसे देशभक्त वीर थे जिन्होंने सतत् संघर्ष कर राष्ट्र की आजादी का दीपक जलाए रखा। उन्होंने रेखांकित किया कि प्रताप केवल परम राष्ट्र भक्त ही नहीं वरन् सामाजिक समरसता के भी अग्रदूत थे। आज यदि विश्व पटल पर भारतीय संस्कृति का अनवरत प्रवाह है तो उसका श्रेय प्रताप को ही जाता है। उन्होंने राष्ट्रीय अस्मिता, राष्ट्रीय एकता व समग्र कल्याण की बात कर मानवता का कल्याण किया है। इस अवसर पर बोलते हुए कॉलेज शिक्षा के पूर्व प्राचार्य प्रो. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल इतिहास पुरुष ही नहीं है वरन् उनका जीवन चरित्र हमारे राष्ट्रीय जीवन की दिशा तय करने वाला है। प्रताप के कृतित्व व्यक्तित्व से सीख लेकर युवा पीढ़ी इस देश के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती है। संगोष्ठी में 50 से अधिक प्राध्यापक उपस्थित थे।

5. **अनुदानित महाविद्यालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों एवं पी.टी.आई के लिए सी.ए.एस. योजना के आदेश :-** राज्य सरकार के आदेश क्रमांक एफ 24 (197) लेखा/अनुदान/आकाशि/विविध/06 दिनांक 11-5-2012 के द्वारा कॅरियर एडवांसमेंट योजना में पुस्तकालयाध्यक्षों व पी.टी.आई की पात्रता निर्धारण करने हेतु अनुदानित महाविद्यालयों के लिए राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.115 (1) शिक्षा-5/2001 दिनांक 7-12-2001 द्वारा गठित स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा इनके प्रकरणों का परीक्षण किया जायेगा।

6. **प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक, विभागीय समितियों व प्रकोष्ठ संयोजकों की बैठक सम्पन्न :-** रुक्टा (रा) की प्रांतीय कार्यकारिणी, विभागीय समितियों व प्रकोष्ठ संयोजकों की बैठक 10 जून, 2012 को, देराश्री शिक्षक सदन में संगठन के अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। गत बैठक की कार्यवाही के विवरण के अनुमोदन के पश्चात् महामंत्री ने गत बैठक के बाद की गतिविधियों की जानकारी दी व बताया कि संगठन का प्रांतीय अधिवेशन माँ भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोटा में सम्पन्न हुआ जिसमें राजस्थान के सभी जिलों का प्रतिनिधित्व रहा। अधिवेशन में स्मारिका का विमोचन किया गया, संगठन के प्रतीक चिह्न का लोकार्पण हुआ एवं कोटा संभाग के सेवानिवृत्त महाविद्यालय शिक्षकों का अभिनंदन तिलक लगाकर, श्रीफल भेंटकर व स्मृति चिह्न प्रदान कर किया गया। संगठन ने लगातार उच्च शिक्षा मंत्रीजी, प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा व उपशासन सचिव उच्च शिक्षा से शिक्षकों की विभिन्न लम्बित मांगों पर चर्चा की व ज्ञापन दिये। 50वें प्रांतीय अधिवेशन पर पारित प्रस्तावों के क्रियान्वयन हेतु राज्य सरकार को पत्र लिखे गये। संगठन ने अन्य मांगों पर भी सरकार से वार्ता की व पत्र लिखे। बैठक में लम्बित मांगों पर कार्यवाही नहीं होने पर चिंता व्यक्त की गई। विश्वविद्यालय शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर सरकार द्वारा कार्यवाही नहीं करने पर चिंता व्यक्त की गई व पुनः राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करने हेतु कार्यवाही का अनुरोध किया। संगठन ने वर्षभर की कार्ययोजना पर विचार कर उसे अंतिम रूप दिया। संगठन सत्र के प्रारम्भ के सदस्यता अभियान चलायेगा। शिक्षकों की विभिन्न लम्बित मांगों को लेकर स्थानीय जन प्रतिनिधियों को ज्ञापन दिये जायेंगे, काली पट्टी बांध कर विरोध व्यक्त किया जायेगा, फिर भी विभिन्न विषयों पर कार्यवाही नहीं होने पर धरना या प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा। संगठन विभाग स्तर पर शैक्षिक संगोष्ठियों का आयोजन, उच्च शिक्षा के विषय या अन्य समसामयिक विषयों को लेकर करेगा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन में संगठन की प्रांतीय कार्यकारिणी, विभागीय समितियों के सदस्य व प्रकोष्ठ संयोजक भाग लेंगें। उच्च शिक्षा पर नवम्बर माह में जयपुर में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा जिसमें दिल्ली, हरियाणा, हिमाचलप्रदेश, राजस्थान व जम्मू के शिक्षकों की सहभागिता रहेगी। स्वामी विवेकानंद जी की 150वीं जयंती वर्ष के अंर्तगत संगठन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। दिसम्बर माह में संगठन का प्रांतीय अधिवेशन प्रस्तावित है। सभी इकाईयों से संकल्प व कर्त्तव्य बोध दिवस समारोह पूर्वक मनाने का आग्रह किया गया। सत्र् के अंत में समीक्षा बैठक व आगामी कार्ययोजना पर चर्चा होगी। कार्यकारिणी बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस वर्ष कार्यकर्त्ता अभ्यास वर्ग व महिला सम्मेलन का भी आयोजन किया जायेगा, जिससे श्रेष्ठ कार्यकर्त्ता निर्माण के साथ-साथ महिला कार्यकर्त्ताओं की भी संगठन में सहभागिता बढ़ेगी। बैठक में शैक्षिक महासंघ के महामंत्री डॉ. जे पी. सिंघल व शैक्षिक मंथन के प्रधान सम्पादक प्रो. संतोष पाण्डे भी उपस्थित रहे।

7. **शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न :-** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 2 व 3 जून, 2012 को वैष्णोदेवी मंदिर सराय, कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) में सम्पन्न हुई। इस बैठक में गत बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन, मीडिया कार्यशाला की समीक्षा, शिक्षकों की समस्याओं पर विचार, अंकेक्षित आय-व्यय का अनुमोदन, राज्यशः एवं संवर्गशः बैठक, व आगामी

कार्यक्रमों की योजना पर चर्चा की गई। जुलाई 2012 से जून 2013 की अवधि को महासंघ के रजत जयंती वर्ष के रूप में उल्लासपूर्वक मनाये जाने का निर्णय लिया। यह भी तय किया गया कि संगठन के सुदृढ़ीकरण एवं कार्य विस्तार के लिए सदस्यता अभियान चलाया जाना चाहिए। राष्ट्र स्तरीय समस्याओं के संबंध में देश के प्रधानमंत्री व मानव संसाधन विकास मंत्री को ज्ञापन दिया जाना चाहिए। बैठक में उच्चशिक्षा क्षेत्र में कार्यरत देश के सभी प्रांतों से शिक्षक संगठनों के प्रमुख कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। राजस्थान से शैक्षिक महासंघ अध्यक्ष डॉ. विमलप्रसाद अग्रवाल, महामंत्री प्रो. जे. पी सिंघल, शैक्षिक मंथन के प्रधान सम्पादक प्रो. संतोष पाण्डे व रुक्टा (रा) के महामंत्री डॉ. मधुर मोहन रंगा ने भाग लिया।

8. **शैक्षिक महासंघ का पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन अक्टूबर 2012 में बेंगलुरु (कर्नाटक) में आयोज्य :-** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की स्थापना (1988) के रजत जयंती वर्ष (2012-13) में पंचम त्रय वार्षिक अधिवेशन 26, 27 व 28 अक्टूबर 2012 को बेंगलुरु (कर्नाटक) में आयोज्य है। इस अवसर पर संभागी बंधु, राष्ट्रीय दृष्टिकोण के संवर्द्धन हेतु विचारात्मक, संगठनात्मक प्रबोधन के साथ-साथ दायित्वानुसार कार्यों, शैक्षिक चुनौतियों के संबंध में वैचारिक आदान-प्रदान कर सकेंगे। इस अवसर पर संगठन यात्रा की प्रभावी प्रदर्शनी, डाक्यूमेन्ट्री भी हम देख सकेंगे। इसमें रुक्टा (रा) की प्रांतीय कार्यकारिणी, विभागीय समितियों व प्रकोष्ठों के सदस्य अपेक्षित है। अपेक्षित सदस्य अपनी यात्रा सुनिश्चित करने हेतु समय पर आरक्षण करावें ताकि यात्रा में असुविधा न हो। इस अवसर पर शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व साधारण सभा की बैठक भी सम्पन्न होगी।

9. **शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में 19 व 20 अगस्त, 2012 को जयपुर में बैठक प्रस्तावित :-** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में 19 व 20 अगस्त को जयपुर में सम्पन्न होने वाली बैठक में संगठन मंत्री, सहसंगठनमंत्री व प्रधान कार्यालय मंत्री भाग लेंगे। इस बैठक में संगठनात्मक विषयों पर चर्चा होगी। 20 अगस्त को ही कोषाध्यक्षों की अखिल भारतीय बैठक जयपुर में सम्पन्न होगी। इस बैठक में संगठन के हिसाब को उचित प्रकार से रखने व लेखा से संबंधित विषयों की जानकारी प्रदान की जावेगी। इस बैठक में रुक्टा (रा) के कोषाध्यक्ष भाग लेंगे।

10. **सदस्यता :-** गत माह प्राप्त वर्ष 2011-2012 की प्राप्ति सदस्यता इस प्रकार है - राजकीय महाविद्यालय भोपालगढ़ 08, एम.एस.जे. भरतपुर 02, धौलपुर 03, मालपुरा 06, दौसा 02, डीग 02, मेड़तासिटी 04, कुशलगढ़ 02, पोकरण 03, कन्या नीमकाथाना 01, सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर 01 कुल 2435. सभी इकाई सचिवों/सक्रिय कार्यकर्त्ताओं से आग्रह है कि एकत्रित सदस्यता राशि शीघ्र महामंत्री को प्रेषित करें।

भवदीय

(डॉ. मधुरमोहन रंगा)
[महामंत्री रुक्टा (रा.)]

के. 52
कृष्ण गंज, अजमेर-305 001 (राज.)